उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग
मुख्य परीक्षा-2020
(सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-4)
मॉडल पेपर-2

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 200**

खण्ड-अ

1. नैतिक मूल्यों को पारिभाषित करते हुए लोक सेवा में इनकी भूमिका को निरुपित कीजिये। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
2. भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निजी जीवन के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में भी महत्त्वपूर्ण रूप से सकारात्मक योगदान होता है? उदाहरणों के साथ चर्चा करें। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
3. संक्षिप्त चर्चा कीजिये। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
   (अ) सिविल सेवकों हेतु आचरण संहिता की आवश्यकता
   (ब) लोक सेवा के प्रति समर्पण
4. वर्तमान शस्त्रीकरण एवं तकनीक के युग में महात्मा बुद्ध के विचार किस प्रकार प्रासंगिक हो सकते हैं? बताइये। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
5. गांधी के दार्शनिक विचारों में प्रयुक्त 'न्यासिता के सिद्धांत' को समझाइये। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
6. एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'अंतरात्मा की आवाज' किस प्रकार सिविल सेवकों के लिये नैतिक मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में कार्य करती है? चर्चा कीजिये। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
7. अनुनयन को परिभाषित करते हुए उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करें कि यह किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति को परिवर्तित करने में किस प्रकार सहायक सिद्ध हो सकता है? **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
8. निम्नलिखित पदों की सिविल सेवाओं में प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
   (अ) सेवा भावना
   (ब) नैतिक सद्गुण
   (स) दृढ़-संकल्प
9. "नारीवाद का मूलभाव महिलाओं के प्रति आदर्शवाद नहीं बल्कि समतावाद है।" कथन की पुष्टि करें। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**
10. आप उत्तर प्रदेश के एक ज़िले में किशोर न्यायालय (जुवेनाइल कोर्ट) में न्यायाधीश हैं। आपके समक्ष बलात्कार का एक मामला आता है जिसमें आरोपी किशोर है और कुछ समय बाद वयस्क होने वाला है। पीड़ित पक्ष की मांग है कि आरोपी को वयस्क मानकर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए, जबकि आरोपी पक्ष एवं कई मानवाधिकार संगठनों की मांग है कि आरोपी को किशोर ही मानते हुए उदार एवं सुधारात्मक कार्रवाई की जाए।
    (अ) आपके अनुसार उपर्युक्त दोनों विकल्पों के अलावा कोई अन्य विकल्प हो सकता है?
    (ब) आप किस आधार पर निर्णय करेंगे?
    प्रत्येक विकल्प की गुण-दोषों के आधार पर चर्चा करें। **(उत्तर 125 शब्द) अंक:8**

खण्ड-ब

11. "असहिष्णुता लोकतांत्रिक व्यवस्था से परिचालित होने वाले किसी भी राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक उन्नति को नकारात्मक रूप में प्रभावित करती है।" कथन का विवेचन कीजिये। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**
12. जॉन रॉल्स का 'सामाजिक न्याय' का विचार 'अज्ञान के पर्दे के भीतर विवेकपूर्ण चयन' को प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिये। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**
13. गीता के नैतिक दर्शन में उल्लिखित 'निष्काम कर्मयोग' की अवधारणा को स्पष्ट करें तथा बताएँ कि यह कांट के 'निरपेक्ष आदेश' के सिद्धांत से किस प्रकार भिन्न है? **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**
14. किसी कर्म की नैतिकता या अनैतिकता का निर्धारण करने वाले प्रमुख कारक कौन-कौन से हो सकते हैं ? समुचित उदाहरण देकर स्पष्ट करें। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**

Drishti IAS

15. आप राज्य के एक ऐसे मंडल के अंतर्गत उपसंभागीय अधिकारी (SDM) के रूप में नियुक्त किये गए हैं, जहाँ के कुछ समुदायों में बाल-विवाह की प्रथा व्यापक रूप में प्रचलन में है। यह प्रथा इन समुदायों की संस्कृति के एक हिस्से के रूप में स्वीकृत है, जिसका इतिहास काफी पुराना है।

    आप किस रणनीति के माध्यम से इस प्रथा के उन्मूलन हेतु समुदायों के लोगों को प्रेरित व प्रोत्साहित करने का प्रयास करेंगे? **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**

16. "एकाधिकार और विवेकशीलता शासन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं।" कथन की पुष्टि हेतु तर्कों के साथ चर्चा करें तथा विवेकशीलता में कमी लाने हेतु सुझाव प्रस्तुत करें। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**

17. भारत में चिकित्सा क्षेत्र में विकास की व्यापक संभावनाएँ हैं लेकिन चिकित्सीय नैतिकता का अनुपालन न होना इसके समक्ष एक बड़ी बाधा है। वर्तमान कोविड संकट के परिप्रेक्ष्य में उत्तर दें। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**

18. वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दे कौन-कौन से हैं? प्रत्येक की संक्षिप्त चर्चा करें। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**

19. सोशल मीडिया को लोगों की अभिवृत्ति में तेजी से परिवर्तन लाने हेतु एक सशक्त माध्यम के रूप में देखा गया है। इसका प्रयोग कर किस प्रकार प्रशासन को उपयोगी तथा सफल बनाया जा सकता है? उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करें। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**

20. कोविड संकट के दौरान निजी अस्पतालों के विषय में विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली खबरों ने आम लोगों की इस धारणा को पुष्ट कर दिया है कि निजी अस्पताल पेशागत नैतिक मूल्यों को भूल चुके हैं तथा आर्थिक लाभ हेतु अनैतिक तथा अनुचित कृत्यों के स्थल बनते जा रहे हैं। प्रभावी नियम-कानूनों तथा सक्षम नियामक संस्थाओं का अभाव निजी अस्पतालों के मनमाने तथा अमानवीय व्यवहार हेतु जिम्मेदार हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव के रूप में आप लोगों की उक्त धारणा के आलोक में किस प्रकार के सुधारात्मक कदम उठायेंगे? विस्तृत रणनीति प्रस्तुत कीजिये। **(उत्तर 200 शब्द) अंक:12**

Drishti IAS